सांध्य दैनिक
4PM

कभी मत सोचिये कि आत्मा के लिए कुछ असंभव है। ऐसा सोचना सबसे बड़ा विधर्म है। अगर कोई पाप है, तो वो यही है, ये कहना कि तुम निर्बल हो या अन्य निर्बल हैं।

–स्वामी विवेकानंद

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 282 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 23 नवम्बर, 2022

लखनऊ में उप राष्ट्रपति जगदीप... 8 | इस बार भुट्टा, सेब, चूड़ी, कंघा व... 3 | हर चुनाव प्रधानमंत्री की व्यक्तिगत... 7

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग पर खड़े कर दिये गंभीर सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गुजरात चुनाव के बीच सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग पर गंभीर संवाल खड़े कर दिए। चुनाव आयोग की शक्तियों की बात करते हुए शीर्ष अदालत ने देश के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त रहे टीएन शेषन की याद दिला दी। एक मामले पर जिरह के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि देश में कई मुख्य चुनाव आयुक्त हुए हैं, लेकिन टीएन शेषन कभी-कभार ही होते हैं। हम नहीं चाहते हैं कि उसे कोई उसे दबाए। शीर्ष अदालत की इस टिप्पणी से देश का सियासी पारा गर्म हो गया है कि क्या वाकई चुनाव आयोग को सुधार करना चाहिए।

चुनाव आयोग आखिर किसके दबाव में काम कर रहा है। हिमाचल जैसे छोटे राज्य में चुनाव हो जाने के बाद उसके नतीजे क्यों नहीं जारी किए जा रहे, परिणाम गुजरात चुनाव के साथ ही क्यों। इससे पहले भी कई बार राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाए, मगर उनकी एक न सुनी गईं। अब जब शीर्ष अदालत ने सवाल खड़े किए तो देशभर में बहस छिड़ गई कि चुनाव आयोग किसके शह पर काम कर रहा है। विपक्ष ने इस मसले पर घेरते हुए कहा कि हम लोग पहले से ही कह रहे है कि चुनाव आयोग मोदी सरकार व बीजेपी के इशारे पर काम कर रहा है। हमारी कोई सुन नहीं रहा था, आज सुप्रीमकोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि जमीन पर स्थिति चिंताजनक है। गौरतलब है कि बता दें कि टीएन शेषन तमिलनाडु कैडर से 1955 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के ऑफिसर थे। टी. शेषन ने भारत के 18वें कैबिनेट सचिव के रूप में 27 मार्च 1989 से 23 दिसंबर 1989 तक सेवा दी। वो 12 दिसंबर 1990 से 11 दिसंबर 1996 को भारत के मुख्य चुनाव बने और 11 दिसंबर 1996 तक इस पद पर रहे। उनका निधन 10 नवंबर, 2019 को हो गया था। बता दें कि लोग चर्चा कर रहे हैं कि पिछले साल असम, बंगाल, केरल और तमिलनाडु में एक साथ चुनाव संपन्न हुए। मगर इस बार गुजरात हिमांचल के चुनाव एक साथ क्यों नहीं। परंपरा क्यों तोड़ दी। तिथियां अलग क्यों घोषित की गईं। इसका कोई जवाब देना वाला नहीं है।

आखिरकार शीर्ष न्यायालय ने क्यों कहा- देश को टीएन शेषन जैसे चुनाव आयुक्त की जरूरत

जानिए! क्या कहा है सुप्रीमकोर्ट ने

चुनाव आयोग के कामकाज में पारदर्शिता को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर एक याचिका पर सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत के पांच जजों के संविधान पीठ ने केंद्र से पूछा कि 2007 के बाद से सभी मुख्य चुनाव आयुक्तों के कार्यकाल कम क्यों रहे हैं। कार्यकाल में कटौती क्यों की गई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमने ये यूपीए के तहत और वर्तमान सरकार के तहत भी देखा है। सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की संविधान पीठ में न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी, न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस, न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार शामिल हैं। संविधान पीठ ने कहा कि लोकतंत्र संविधान का मूल ढांचा है। उस पर कोई बहस नहीं है। हम भी संसद को कुछ करने के लिए नहीं कह सकते हैं और हम ऐसा नहीं करेंगे। हम सिर्फ उस मुद्दे पर कुछ करना चाहते हैं जो 1990 से उठाया जा रहा है। जमीनी स्तर पर स्थिति चिंताजनक है।

चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति में संसद को सुधार लाने की जरूरत

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति में संसद को सुधार लाने की जरूरत है। क्योंकि ये चुनाव आयोग के कामकाज को प्रभावित करता है। कोर्ट ने कहा कि इससे चुनाव आयोग की स्वतंत्रता भी प्रभावित होती है। सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया कि 1991 के अधिनियम के तहत पद धारण करने वाले मुख्य निर्वाचन अधिकारी का कार्यकाल छह साल का है। फिर उनका कार्यकाल कम क्यों रहता है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि संविधान ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त और दो निर्वाचन आयुक्तों के 'नाजुक कंधों' पर बहुत जिम्मेदारियां सौंपी हैं और मुख्य चुनाव आयुक्त के तौर पर टीएन शेषन की तरह के सुदृढ़ चरित्र वाले व्यक्ति की जरूरत है।

"यूपी चुनाव में सपा का प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग से मिला था कि सत्तापक्ष चुनाव में गड़बड़ी कर रहा है। लेकिन वहां हमारी एक भी शिकायतें नहीं सुनी गईं और न ही कोई कार्रवाई की गई। शीर्ष अदालत की टिप्पणी विपक्ष के लिए शुभ संकेत है।

डॉ. आशुतोष, सपा नेता

"चुनाव आयोग पर टिप्पणी करना वाजिब नहीं है। मगर शीर्ष अदालत ने जब से देश को टीएन शेषन जैसे चुनाव आयुक्त की जरूरत बताई है। सवाल खड़े होना लाजिमी है। आयोग को इस टिप्पणी पर मंथन करना चाहिए।

अनिल दुबे, राष्ट्रीय सचिव, आरएलडी

"लोकतंत्र तभी मजबूत होता है जब निष्पक्ष चुनाव होता है। आयोग पर शीर्ष अदालत ने जो टिप्पणी की है, इस पर लंबी बहस होनी चाहिए। विपक्ष यूं ही भाजपा सरकार पर सवाल नहीं उठाता।

दिजेंद्र राम त्रिपाठी, प्रवक्ता कांग्रेस

बसपा सरकार में हुए कार्य भाजपा और सपा से बेहतर : मायावती

» पूंजी निवेश के लिए सरकार का प्रयास चुनावी स्वार्थ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सपा और भाजपा पर हमला बोला है। कहा कि उनकी सरकार में गरीबों के लिए कई योजनाएं लाई गई। लोगों को रोजगार दिए। मगर बीजेपी ऐसा कुछ नहीं कर रही। मायावती ने कहा कि यूपी में देसी व विदेशी पूंजी निवेश के लिए सरकार का अनवरत प्रयास जरूरी है किन्तु यह केवल खेती भूमि अधिग्रहण तथा चुनावी स्वार्थ तक ही सीमित नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यूपी की समग्र प्रगति विकास व लोगों की रोजी रोटी के साथ उनकी सुरक्षा व आत्म सम्मान के लिए बसपा ने खास काम किया था। यमुना के साथ गंगा एक्सप्रेसवे जेवर एयरपोर्ट भी तब ही बन जाता अगर केंद्र की कांग्रेस सरकार ने सहयोग दिया होता। भाजपा सरकार ने भी ऐसी कोई प्रगति क्यों नहीं दिखाई है।

बीजेपी पहले डर फैलाती है फिर हिंसा : राहुल गांधी

» कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष बोले- हिंदुस्तान में किसी को डरने की जरूरत नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा मध्यप्रदेश में प्रवेश कर चुकी है। यात्रा का पहला पड़ाव बुरहानपुर जिले का बोदरली गांव रहा। यहां कार्यकर्ताओं ने राहुल का आरती उतारकर स्वागत किया गया। बंजारा लोक नृत्य कलाकार रीना नरेंद्र पवार ने उनके स्वागत में लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। एमपी में अपने पहले भाषण में ही उन्होंने भाजपा पर हमला बोला। कहा- बीजेपी पहले डर फैलाती है फिर हिंसा। हिंदुस्तान में

किसी को डरने की जरूरत नहीं है। राहुल ने कहा कि अगर आपको डॉक्टर बनना है तो मोटी फीस देनी होगी। ऐसे में फीस नहीं चुका पाएंगे तो डॉक्टर की जगह पर मजदूर बनेंगे। बेरोजगारी का हिंदुस्तान हम नहीं चाहते। इस हिंदुस्तान में तीन-चार अरबपति जो सपना देखते हैं, वो पूरा कर पाते हैं। पूरी इंडस्ट्री उनके हाथ में। एयरपोर्ट, कंपनी, रेलवे सब उनके हाथ में। ऐसा हिंदुस्तान हमें नहीं चाहिए। गरीबों का न्याय चाहिए।

जयराम बोले- दिग्विजय सबसे युवा भारत यात्री

भारत जोड़ो यात्रा के मीडिया प्रभारी जयराम रमेश ने बताया कि यात्रा अब तक 32 जिलों से गुजर चुकी है। देश का ध्यान सिर्फ राहुल गांधी पर है। 120 यात्री और राहुल गांधी के साथ चल रहे हैं। इन 120 में से करीब एक तिहाई महिलाएं हैं। इनकी औसत आयु इनकी साल है। मध्यप्रदेश के 11 यात्री हैं। इनमें से 4 महिलाएं। सबसे युवा और सबसे सक्रिय भारत यात्री दिग्विजय सिंह हैं।

मैनपुरी के लोग अराजकता पसंद नहीं करते : केशव मौर्य

» वोट तो बीजेपी को ही मिलेगा क्योंकि रौंदने का काम करती हैं साइकिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी में नेताजी की जयंती पर पूरे समाजवादी परिवार के साथ आने पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बोले कि नेता जी (मुलायम सिंह यादव) को तो हम लोग भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूरा प्रदेश उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है और उन्हें भी करना चाहिए यह एक अलग विषय है और जो चुनाव हो रहा है उसमें वोट डालना एक अलग विषय है। डिप्टी सीएम ने कहा कि मैनपुरी का जो चुनाव है वह भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के बीच में है और आज की जो स्थिति में देख पा रहा हूं उसमें बीजेपी सपा से काफी आगे निकल चुकी है।

उन्होंने कहा कि नेताजी के प्रति मैनपुरी नहीं, पूरे प्रदेश वासियों के मन में सम्मान है, लेकिन उसके बदले वे समाजवादी पार्टी को वोट दे देंगे ऐसा सोचना गलत है। केशव मौर्य ने कहा कि अखिलेश यादव मुझसे उम्र में छोटे हैं। हम भी डिंपल यादव जी को बहू कह सकते हैं लेकिन बहू होने का मतलब यह नहीं है कि हम उन्हें वोट दे देंगे। वोट तो बीजेपी को ही मिलेगा क्योंकि साइकिल तो लोगों को रौंदने का काम करती है। केशव प्रसाद ने कहा कि सपा को लोग वोट क्यों दें। सपा का सांसद बनने से क्या मैनपुरी का विकास होगा, क्या सपा का सांसद बनने से मैनपुरी के लोगों का भला होगा। उन्होंने कहा कि जो अवैध कब्जे करने का काम करते थे उनका मनोबल घटाने की जरूरत है, वहां के शरीफ लोग अराजकता पसंद नहीं करते। उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह यादव के प्रति पूरा प्रदेश सम्मान का भाव रखता है, हमारे प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री भी उनके प्रति सम्मान का भाव रखते हैं। हम भी सैफई गए थे लेकिन इसे चुनाव से जोड़कर नहीं देखना चाहिए, चुनाव एक अलग विषय है।

सपा के पूरे परिवार को भी नहीं मिल रहा जन समर्थन

डिप्टी सीएम ने कहा कि जो अखिलेश यादव आजमगढ़, रामपुर में चुनाव प्रचार करने नहीं गए थे वह इन दिनों मैनपुरी में ही डटे हुए हैं। इससे यह पता चलता है कि बीजेपी के संगठन की ताकत नहीं होती, जनता का समर्थन नहीं होता तो अखिलेश यादव सहित पूरे सैफई परिवार को मैनपुरी में घूम-घूम कर वोट मांगने की जरूरत नहीं पड़ती। इसके बाद भी उन्हें समर्थन नहीं मिल रहा है। केशव प्रसाद ने कहा कि अखिलेश करहल से विधायक हैं, विधायक की जिम्मेदारी होती है कि अपने क्षेत्र के विकास के लिए सरकार को एक चिट्ठी लिखकर दे। मेरे पास भी बड़ा विभाग है मेरे पास तो आज तक उन्होंने कोई पत्र नहीं लिखा बाकी किसी मंत्री को लिखा हो मैं नहीं जानता।

भ्रष्टाचार की नर्सरी है आम आदमी पार्टी

मौर्य ने कहा कि आम आदमी पार्टी को मैं फोकट पार्टी और भ्रष्टाचार की नर्सरी कहता हूं। देश के अंदर अरविंद केजरीवाल भ्रष्टाचार की नर्सरी हैं। दिल्ली सरकार ने जो भी काम किया है वह बिना भ्रष्टाचार के नहीं हुआ होगा. दिल्ली की जनता के सामने आम आदमी पार्टी का असली चरित्र आ चुका है। उनके बड़े दावों की हवा निकल चुकी है।

शीतकालीन सत्र के पहले दिन मुलायम सिंह को दी जाएगी श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के पहले दिन वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए दोनों सदनों में अनुपूरक बजट पेश करेगी। विधानमंडल का शीतकालीन सत्र पांच दिसंबर को शुरू होगा। तीन दिनों के इस संक्षिप्त सत्र के दौरान सरकार कुछ विधेयक भी पास करा सकती है। विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के पहले दिन पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि दी जाएगी।

इसके बाद अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा। अनुपूरक बजट में योगी सरकार अगले वर्ष फरवरी में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन की तैयारियों के लिए धनराशि की व्यवस्था करेगी। वर्ष 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को गति देने के लिए अनुपूरक बजट में धनराशि आवंटित की जा सकती है। निकाय चुनाव के दृष्टिगत भी अनुपूरक बजट में घोषणाएं हो सकती हैं। छह अगस्त को अनुपूरक बजट पर चर्चा होगी। सात अगस्त को अनुपूरक बजट समेत कुछ विधेयकों को भी सरकार पारित कराएगी। सात अगस्त को ही सदन अनिश्चितकालीन के लिए स्थगित किया जा सकता है। विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान विधानसभा का विस्तृत कार्यक्रम तय करने के लिए चार दिसंबर को सुबह 11 बजे विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में कार्यमंत्रणा समिति की बैठक होगी। इसके बाद दोपहर 12 बजे सर्वदलीय बैठक होगी। पांच दिसंबर सोमवार को दिन में 11 बजे से विधानमंडल का तीसरा सत्र शुरू होगा।

नशे पर प्रतिबंध लगाने के लिए आवाज उठानी होगी : रोहित अग्रवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नशा एक सामाजिक बुराई है। यह व्यक्ति के दिमाग पर अपना नियंत्रण कर लेता है। जबकि हर किसी को अपने ऊपर किसी दूसरे का नियंत्रण कतई बर्दाश्त नहीं होता। यह बात नेशनल पीजी कॉलेज में नशे के सेवन, बिक्री को बंद करने और उसके दुष्प्रभाव पर आयोजित एक परिचर्चा में बतौर मुख्य वक्ता रालोद व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने कही। उन्होंने कहा कि नशा युवाओं की जिंदगी तबाह करने में अहम भूमिका निभा रहा है।

ऐसे में देश के भविष्य को बचाने के लिए नशे पर प्रतिबंध लगना जरूरी हो गया है। इसके लिए लोगों को एक साथ मिलकर आवाज उठानी होगी। रोहित अग्रवाल ने कहा कि जब भी नशे की बिक्री को बंद करने की बात होती है, तो आधी आबादी यानी कि महिलाएं तुरंत समर्थन में आ जाती हैं। इसके अलावा बाकी बचे लोगों में से आधे लोग जागरूकता के चलते साथ खड़े हो जाएंगे। सिर्फ चंद लोग ही बचते हैं, जो नशे की गिरफ्त में हैं। उन्हें इससे बाहर निकालने का काम हम सभी को अपने जिम्मे लेना पड़ेगा। अग्रवाल ने आगे कहा कि इस बुराई के खिलाफ सरकारों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी पड़ेगी। नशे के खिलाफ कठोर कदम उठाना ही एकमात्र उपाय है। समाज के जागरूक लोगों को आगे आकर सरकार से हर तरह के नशे पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग करनी चाहिए।

आजम खां बोले- बताने को कुछ बचा नहीं मुकदमों से ही छुटकारा नहीं मिलता

» हेट स्पीच मामले में आजम को मिली रेगुलर बेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा नेता आजम खां को हेट स्पीच मामले में नियमित जमानत मिल गई है। आजम खां रामपुर के एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश हुए थे और सुनवाई के बाद उनकी बेल को मंजूर कर दिया गया। अक्टूबर महीने में आजम खां को हेट स्पीच का दोषी पाते हुए तीन साल की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद नियम के तहत रामपुर से उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द कर दी गई थी।

कोर्ट से बाहर निकलने के दौरान आजम खां ने कहा, कुछ बचा है अब कहने को, मुकदमों से ही छुटकारा नहीं मिलता। आजम ने सजा के खिलाफ एमपी-एमएलए कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। मामले में अगली सुनवाई 2 दिसंबर को होनी है। बता दें कि 27 महीने बाद सीतापुर की जेल से रिहा होने के बाद से आजम खां के लिए चीजें ठीक नहीं चल रहीं। एकतरफ खराब तबीयत के कारण उन्हें बार-बार अस्पताल के चक्कर लगाने पड़े, वहीं अब कानूनी मामले में वह उलझ गए हैं। हेट स्पीच मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद न केवल उनकी सदस्यता चली गई बल्कि मतदाता सूची से भी उनका नाम हटा दिया गया। सदस्यता रद्द होते ही वहां चुनाव की घोषणा भी कर दी गई। 5 दिसंबर को रामपुर में चुनाव कराए जाएंगे। सपा ने आसिम रजा को अपना उम्मीदवार घोषित किया, जिनका मुकाबला बीजेपी के आकाश सक्सेना से है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

लोक गायिका नेहा सिंह को मिलेगा माटी रतन सम्मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। अशफाक उल्ला खां मेमोरियल शहीद शोध संस्थान ने वर्ष 2022 में माटी रतन सम्मान पाने वाले लोगों के नामों की घोषणा कर दी है। संस्थान के प्रबंध निदेशक सूर्य कांत पांडेय ने यहां एक होटल में पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि हिंदी में माटी रतन सम्मान उर्मिलेश, उर्दू में प्रो. याकूब यावर और जनगीतों की लेखिका और गायक नेहा सिंह राठौर को माटी रतन सम्मान प्रदान किया जाएगा। माटी रतन सम्मान लोक सम्मान है जो किसी भी सरकारी सम्मान से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है।

यह सम्मान पाने वाले अनेक लोगों को देश के सर्वोच्च सम्मान मिल चुका है। सम्मान में प्रशस्ति पत्र के अलावा छह अन्य चीजें भी प्रदान की जाएगी। सम्मान काकोरी एक्शन के शहीदों के शहादत दिवस 19 दिसंबर को मंडल कारागार अयोध्या के शहीद कक्ष में प्रदान किया जाएगा। इसी दिन शांति सिंह स्मृति छात्रवृत्ति भी दी जाएगी। इसके लिए कुछ छात्रों का चयन किया गया है। संस्थान के प्रबंध निदेशक ने बताया कि शहीद दिवस पर डॉ. शैलेश पांडेय स्मृति सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता व गीता पांडेय स्मृति निबंध प्रतियोगिता का आयोजन मनोहर लाल इंटर कॉलेज में 16 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा। इसमें प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले छात्रों को क्रमशः तीन हजार दो हजार तथा एक हजार नकद पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा।

इस बार भुट्टा, सेब, चूड़ी, कंघा व बैलगाड़ी के नाम पर मांगेंगे वोट 'नेताजी'

» राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरीय निकाय चुनाव के लिए 292 चुनाव चिह्न तय कर दिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगरीय निकाय चुनाव में इस बार किसी को मिलेगी बैलगाड़ी तो किसी के हिस्से में कार आएगी। कोई अपना प्रचार शंख के जरिए करेगा तो किसी को भगवान परशुराम का फरसा के जरिए लुभाना पड़ेगा। राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरीय निकाय चुनाव के लिए 292 चुनाव चिह्न तय कर दिए हैं। पंजीकृत दलों के लिए 14, प्रोविजनल पंजीकृत दलों के लिए 197 व निर्दलीय प्रत्याशियों के लिए 81 चुनाव चिह्न जारी किए गए हैं। राज्य निर्वाचन आयोग नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों में जुटा हुआ है। इस बार 763 नगरीय निकायों के चुनाव होने हैं। इनमें 17 नगर निगम, 200 नगर पालिका परिषद व 546 नगर पंचायतें शामिल हैं।

वर्ष 2017 में 652 नगरीय निकायों में चुनाव हुए थे। पंजीकृत मान्यता प्राप्त दलों की सूची में इस बार 14 दल शामिल हैं। इनमें भाजपा, कांग्रेस, सपा, बसपा, आप, सीपीआई, सीपीएम आदि प्रमुख पार्टियां शामिल हैं। यह दल अपने-अपने चुनाव चिह्न पर ही निकाय चुनाव लड़ते हैं। पिछले चुनाव में आयोग ने पंजीकृत अमान्यता प्राप्त एवं प्रोवीजनल पंजीकृत दलों के लिए 164 मुक्त चुनाव चिह्न तय किए थे जबकि इस बार आयोग ने इस श्रेणी में 197 चुनाव चिह्न तय कर दिए हैं। इसी प्रकार निर्दलीय उम्मीदवारों के लिए चुनाव चिह्न की दो सूचियां जारी की गई हैं। एक में 42 चुनाव निशान हैं जबकि दूसरे में 39 मुक्त प्रतीकों को रखा गया है। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है।

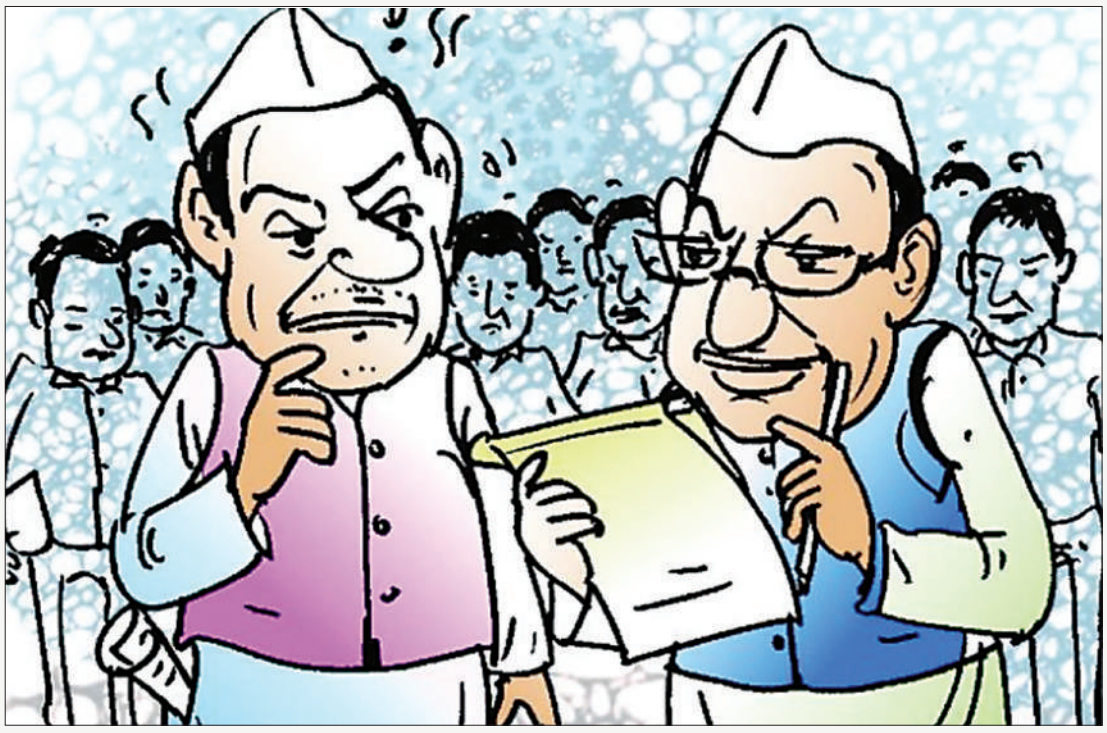

अधिसूचना जारी होने का बेसब्री से इंतजार

बता दें कि यूपी में 17 नगर निगम, 200 से ज्यादा नगर पालिका और 517 नगर पंचायत हैं। यहां निकाय चुनाव की प्रक्रिया को 5 जनवरी से पहले ही पूरा हो जाना है। सभी राजनीतिक दल नगर निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। विधानसभा का शीतकालीन सत्र भी शुरू होने वाला है। मैनपुरी, खतौली और रामपुर में उपचुनाव भी होने वाले हैं। ऐसे में दिसंबर के आखिर तक अधिसूचना जारी हो सकती है।

कोई बंदूक से लड़ेगा तो कोई तलवार से दिखाएगा दम

चुनाव में कोई बंदूक से लड़ेगा तो कोई तलवार से दम दिखाएगा। चुनाव चिह्न में यातायात के सभी साधन बैलगाड़ी, रिक्शा, मोटरसाइकिल, स्कूटर, कार, आटो रिक्शा व वायुयान तक मौजूद हैं। चुनाव ठंड के महीने में होंगे इसलिए अलाव व आदमी भी चुनाव चिह्न है। यह शादियों का सीजन है इसलिए आयोग ने शहनाई भी चुनाव चिह्न रखा है। निकाय चुनाव में महिलाओं का 33 प्रतिशत आरक्षण होता है इसलिए उनके लिए भी कई चुनाव चिह्न रखे गए हैं। इनमें चूड़ियां, मोतियों का हार, डोली, कान की बाली, ऊन का गोला आदि प्रमुख हैं।

यह भी हैं चुनाव चिह्न

टेबल लैम्प, छत का पंखा, कंघा, पानी का नल, उगता सूरज, सैनिक, गुल्ली, डंडा, फूल गोभी, शिमला मिर्च, भुट्टा, सेब, फलों की टोकरी, कारपेट, शटल, एयर कंडीशन, बेबी वाकर, अलमारी, गुब्बारा, सरौता, सुराही, लट्टू वृश, बल्ला, बल्लेबाज, बेंच, बेल्ट, दूरबीन, साइकिल पंप, बिस्कुट, ब्लैक बोर्ड, आदमी व पालयुक्त नौका, बक्सा, खड़ाऊं, गमला, खजूर का पेड़, अनाज ओसाता हुआ किसान, ओखली, इमली, कलम और दवात, क्रेन, कप व प्लेट, हीरा, घन, डीजल पंप, डिश एंटिना, ड्रिल मशीन, डंबल्स, बिजली का खंभा, डबल रोटी, ब्रेड टोस्टर, ईंटें, ब्रीफकेस, केक, कैलकुलेटर, कैरम बोर्ड, बिजली का बल्ब, पुल, पत्तियां, पेपर वेट, पेंचकस, फावड़ा आदि प्रमुख हैं।

नगरीय निकायों के आरक्षण में अभी एक सप्ताह का और वक्त

उत्तर प्रदेश में नगरीय निकायों के आरक्षण में अभी एक सप्ताह का समय और लगेगा। नगर विकास विभाग ने राज्य निर्वाचन आयोग से आरक्षण के बाद निकायों की अंतिम सूची एक सप्ताह में सौंपने के लिए कहा है। दरअसल, राज्य निर्वाचन आयोग ने सोमवार को नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात को बुलाकर नगरीय निकायों के आरक्षण की सूची में हो रहे विलंब का कारण पूछा। प्रमुख सचिव ने आयोग से एक सप्ताह का और समय मांगा है। उत्तर प्रदेश में 763 नगरीय निकायों के चुनाव के लिए राज्य निर्वाचन आयोग को सरकार से आरक्षण तय होने के बाद निकायों की सूची का इंतजार है। इसके बाद ही आयोग चुनाव की अधिसूचना जारी करेगा। चूंकि ज्यादातर नगरीय निकायों का कार्यकाल जनवरी के पहले हफ्ते में व कुछ का कार्यकाल दूसरे हफ्ते में समाप्त हो रहा है। इसलिए आयोग को इससे पहले चुनाव कराना है। चुनाव कराने के लिए आयोग को न्यूनतम 35-36 दिन का समय जरूरी होता है, किंतु अभी तक निकायों की सूची ही सरकार से नहीं मिली है।

गूगल समेत 47 बड़ी कंपनियों ने जताई यूपी में निवेश की इच्छा

अब तक मिले एक लाख करोड़ के प्रस्ताव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी ग्लोबल इंवेस्टर समिट 2023 की सफलता का आगाज एक लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव से हो चुका है। राज्य सरकार को इंवेस्टर समिट से करीब तीन माह पूर्व ही एक लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं। इतना ही नहीं गूगल, अडोबी, सैमसंग, टाटा, अडानी, आईटीसी और जेबीएम ग्रुप जैसी दिग्गज कंपनियों ने प्रदेश में निवेश की इच्छा जताई है। प्रदेश सरकार के साथ शुरुआती बातचीत में देश-विदेश की 47 बड़ी कंपनियों ने 24 सेक्टर में निवेश की इच्छा जाहिर की है। अब इन कंपनियों के साथ एमओयू की तैयारी की जा रही है।

एमओयू के केंद्र में निवेशकों का हित होगा। सरकार का कहना है कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार देना सरकार की प्राथमिकता है। सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि युवाओं व बेरोजगारों को भटकना न पड़े, उन्हें दूसरे राज्यों में बाहर न जाना पड़े। बेरोजगारों को यही नौकरी मिल जाए। इसके लिए कई बैठकें भी हो चुकी है। सरकार का प्लान है कि 2023 में करीब एक लाख लोगों को नौकरी दी जा सके। साथ ही लाखों लोगों को रोजगार व उद्योग मुहैया कराया जा सके।

इन क्षेत्रों में कंपनियों ने दिखाई है रुचि

सोलर पावर, डिफेंस, स्वास्थ्य सेवाएं, एजुकेशन, मैन्युफैक्चरिंग, डेयरी, एग्रो एंड फूड प्रोसेसिंग, सीमेंट, लाजिस्टिक्स, रियल एस्टेट, वेस्ट मैनेजमेंट, आटो कंपोनेंट्स, पेट्रोलियम, आइटी, फर्टीलाइजर, बैटरी, मेडिकल डिवाइस, बैंकिंग एवं फाइनेंस और ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर। इसमें भी सबसे ज्यादा डेयरी के क्षेत्र में पांच कंपनियों ने इच्छा जताई है। जबकि सर्विस सेक्टर में तीन, सोलर, ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग और मेडिकल उपकरण के क्षेत्र में दो-दो कंपनियां यूपी में निवेश के लिए इच्छुक हैं।

लखनऊ में लगेगा दुनिया के इनवेस्टर्स का जमावड़ा

यूपी ग्लोबल इनवेस्टर समिट 2023 का आयोजन लखनऊ में फरवरी 10 से 12 को बीच किया जाएगा। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम पालिसी मेकर्स, इनवेस्टर्स, कारपोरेट लीडर्स, बिजनेस डेलिगेट्स, एकेडमिक्स की फील्ड के दिग्गज व पालिटिकल और सरकार की लीडरशिप को एक मंच साझा करने का मौका देगा, जिसमें वह अपने विचार साझा कर सकेंगे। मुख्य तौर पर कार्यक्रम में 25 प्लस पालिसीज पर फोकस किया जाएगा, जिनके जरिए देश के अलावा दुनिया की दिग्गज कंपनियों और एफडीआई को आकर्षित करने के लिए भी दशा-दिशा की ओर अहम कदम उठाया जा सकेगा। उत्तर प्रदेश सरकार 10 लाख करोड़ रुपये के लक्ष्य को हासिल करने और 25 सेक्टर्स जैसे कि आईटी, मैनुफैक्चरिंग, ड्रोन, टूरिज्म व डिफेंस मुख्य होंगे। यूपी शासन का एक उद्देश्य राज्य के 5 शहरों को भी इनवेस्टमेंट हब के तौर पर विकसित करना है और इन पावर हब्स में मेजर इनवेस्टमेंट होने के बाद प्रदेश में बड़े स्तर पर रोजगार व अवसर का सृजन हो सकेगा।

यूपी जीआईएस 2023 इसलिए है खास

यूपी को वन ट्रिलियन यूएस डालर की इकानमी बनाने की दिशा में योगी सरकार विशेष तौर पर प्रयास कर रही है। केंद्र सरकार भी देश को 5 ट्रिलियन डालर की इकानमी बनाने का प्रयास कर रही है। ऐसे में केंद्र ने हाल ही में आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश समेत कुल 5 राज्यों में ग्लोबल इनवेस्टर्स को लाने के लिए बड़ी मुहिम शुरू की है। इसमें यूपी चूंकि जनसंख्या, मैनपावर समेत कई मायनों में न केवल अन्य राज्यों से बड़ा है बल्कि यहां मैनुफैक्चरिंग समेत कई सेक्टर्स में इनवेस्टमेंट की असीमित संभावनाएं हैं। इन्हीं संभावनाओं को लक्ष्य करते हुए यूपी ग्लोबल इनवेस्टर समिट 2023 के आयोजन के जरिए बड़े स्तर पर पूरी दुनिया से निवेशकों को अपनी ओर आकर्षित करना चाहती है। मौजूदा प्रयास भी इसी संदर्भ में हो रहा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

चीन को पीछे छोड़ सकता है भारत

“ बढ़ती आबादी का असर बहुआयामी है। जनसंख्या का देश की अर्थव्यवस्था पर विपरीत असर पड़ता है। इसके कारण खाद्यान्न का संकट उत्पन्न होता है और बेरोजगारी बढ़ती जाती है। इतनी बड़ी जनसंख्या के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न करना नामुमकिन है। इस कारण अनेक सामाजिक समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। जमीन पर बोझ बढ़ा है, जिसने पारिवारिक संघर्ष को जन्म दिया है।

संयुक्त राष्ट्र वार्षिक विश्व जनसंख्या रिपोर्ट की माने तो दुनिया की जनसंख्या आठ अरब पार हो गई है। यह आंकड़ा 2030 तक 8.5 अरब, 2050 तक 9.7 अरब और 2100 तक 10.4 अरब हो सकता है। हालांकि 1950 के बाद से आबादी धीमी दर से बढ़ रही है। यह आबादी 2037 तक नौ अरब तक पहुंच जाएगी। चौंकाने वाला तथ्य यह है कि अगले दो से तीन दशकों में आधी आबादी आठ देशों में रह रही होगी। रिपोर्ट के अनुसार, 2050 तक भारत, पाकिस्तान, कॉन्गो, मिस्र, इथियोपिया, नाइजीरिया, फिलीपींस और तंजानिया में दुनिया की 50 प्रतिशत आबादी रह रही होगी। वृद्धि के लिहाज से चीन को इस साल पीछे छोड़ कर भारत दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा। जनसंख्या बढ़ोतरी का मुख्य कारण दुनिया में हो रही कम मौतें और बढ़ता जीवनकाल है। इसका एक अर्थ यह भी है कि दुनिया में बुजुर्गों की आबादी भी बढ़ रही है, जो एक अलग चुनौती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि जनसंख्या इसी रफ्तार से बढ़ती रही, तो मानव के अस्तित्व पर ही खतरा उत्पन्न हो सकता है। आजादी के बाद पहली जनगणना 1951 में हुई थी और तब देश की आबादी थी 36 करोड़ साल 1961 की जनगणना में आबादी लगभग 44 करोड़ और 1971 में 55 करोड़ हो गयी। साल 1981 की जनगणना में यह आंकड़ा 68 करोड़ हो गया। साल 1991 में हमारे देश की आबादी बढ़ कर 85 करोड़ थी, तो 2001 में यह 100 करोड़ पार कर गयी। दस साल बाद 2011 में जनसंख्या 121 करोड़ हो गयी। माना जा रहा है कि देश की आबादी लगभग 135 करोड़ के आसपास होगी। बढ़ती आबादी का असर बहुआयामी है। जनसंख्या का देश की अर्थव्यवस्था पर विपरीत असर पड़ता है। इसके कारण खाद्यान्न का संकट उत्पन्न होता है और बेरोजगारी बढ़ती जाती है। इतनी बड़ी जनसंख्या के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न करना नामुमकिन है। इस कारण अनेक सामाजिक समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। जमीन पर बोझ बढ़ा है, जिसने पारिवारिक संघर्ष को जन्म दिया है। चार राज्यों- उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और केरल में आबादी का घनत्व सबसे ज्यादा है। एक और अहम तथ्य है कि दो हिंदी भाषी राज्यों- बिहार और उत्तर प्रदेश- में 30.4 करोड़ से ज्यादा लोग बसते हैं यानी देश की एक-चौथाई आबादी केवल दो राज्यों में है। यह तथ्य चौंकाता तो नहीं है, लेकिन हालात की गंभीरता की ओर जरूर इशारा करता है। यूपी और बिहार जैसे बड़ी आबादी वाले राज्यों में हम अभी बुनियादी समस्याओं को हल नहीं कर पाये हैं। हम अब भी शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और पानी की समस्या से जूझ रहे हैं।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आखिर मतांतरण को सेकुलर कवच कब तक

बलबीर पुंज

जबरन मतांतरण करना न केवल मजहबी स्वतंत्रता के अधिकार का हनन है, अपितु यह देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा हो सकता है। यह वक्तव्य न ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का है, न किसी भाजपा नेता या मोदी सरकार का। यह टिप्पणी 14 नवंबर को सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश एमआर शाह और न्यायाधीश हिमा कोहली की खंडपीठ ने एक संबंधित याचिका पर सुनवाई करते हुए की है। मतांतरण पर बहस एक शताब्दी से अधिक पुरानी है। इसके समर्थक इसे आस्था की स्वतंत्रता के अधिकार से जोड़कर देखते हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में अन्य मानवाधिकारों की तरह पसंदीदा पूजा-पद्धति अपनाने का अधिकार भी अक्षुण्ण होता है। इन अधिकारों को जहां कई घोषित इस्लामी-ईसाई गणराज्यों के साथ चीन रूपी वामपंथी देशों में चुनौती मिलती है, वहीं भारत में उसकी अनंतकालीन बहुलतावादी सनातन संस्कृति के अनुरूप सभी प्रकार के मानवाधिकारों के साथ पसंदीदा पूजा-पद्धति अपनाने की स्वतंत्रता है। परंतु आस्था के अधिकार का उपयोग छल-कपट या लालच-लोभ से किसी का मजहब परिवर्तन करना क्या सभ्य समाज को स्वीकार्य होगा?- वह भी भारत जैसे देश में, जिसे मजहब के नाम पर 75 वर्ष पहले दो हिस्सों में बांट दिया गया था।

पाकिस्तान-बांग्लादेश अस्तित्व में क्यों आए? क्योंकि अविभाजित भारत की जनसंख्या के एक बड़े भाग ने यह कहकर विभाजन की मांग कर दी कि उनकी सभी पहचानों (राष्ट्रीयता सहित) में से मुस्लिम पहचान सर्वोच्च है। उसी मजहबी पहचान ने देश तोड़ दिया। आज वही टूटा हिस्सा- पाकिस्तान न केवल खंडित भारत को अपना घोषित शत्रु मानता है, अपितु उसे हजारों घाव देकर मौत के घाट उतारने की नीतिगत योजना भी बनाता रहता है। इस मानसिकता को स्वामी विवेकानंद ने वर्ष 1899 में रेखांकित किया था। उन्होंने तब प्रबुद्ध भारत पत्रिका से बात करते हुए कहा था, जब हिंदू समाज का एक सदस्य मतांतरण करता है, तो समाज की एक संख्या कम नहीं होती, बल्कि हिंदू समाज का एक शत्रु बढ़ जाता है। इसी भावना को सर्वोच्च न्यायालय ने दूसरे शब्दों में दोहराया है। जिस मोहम्मद अली जिन्ना ने ब्रितानियों और वामपंथियों के साथ मिलकर सैयद अहमद खान के दो राष्ट्र सिद्धांत को मूर्त रूप देकर पाकिस्तान को जन्म दिया था- उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि गुजराती हिंदू थी। मोहम्मद इकबाल, जिन्होंने 1931 में पाकिस्तान का भौगोलिक खाका खींचा था- के पूर्वज कश्मीरी हिंदू थे। कश्मीर को इस्लाम के नाम पर संकट में झोंकने वालों

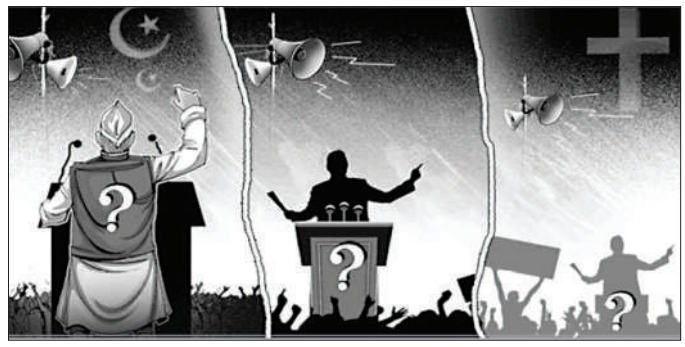

में शामिल शेख अब्दुल्ला के पूर्वज भी हिंदू थे। किसी को लालच देकर मतांतरण हेतु प्रेरित या विवश करना- क्या आस्था की स्वतंत्रता होनी चाहिए? इसे आत्मा का व्यापार कहा जाता है। जब मनुष्य देह के खरीद-फरोख्त को अनैतिक और आपराधिक कहा जाता है, तो आत्मा के व्यापार को सभ्य समाज कैसे स्वीकार कर सकता है?

मतांतरण से स्थानीय संस्कृति पर क्या प्रभाव पड़ता है? विगत 1,413 वर्षों में अरब से विश्व के जिस भू-भाग में इस्लाम ने प्रवेश किया- उस क्षेत्र की मूल संस्कृति, परंपरा और जीवन शैली को कालांतर में तलवार के बल पर या तो बदल दिया गया या फिर उसका प्रयास आज भी हो रहा है? भारतीय उपमहाद्वीप के कई क्षेत्रों के अतिरिक्त ईरान, इराक, सीरिया, कोसोवो आदि इसके प्रमाण हैं। यह बहुत दिलचस्प है कि भारत में जो वाम-उदारवादी और स्वघोषित संविधान-रक्षक एकेश्वरवाद प्रेरित मतांतरण का मौन-समर्थन करते है और उसके विरोध को मजहबी स्वतंत्रता पर खतरा, बहुसंख्यकवाद का दमन आदि बताकर दूषित नैरेटिव स्थापित करते है, वे यूनाइटेड किंगडम आदि देशों के सेकुलरवाद को अनुकरणीय मानते हैं। क्या ऐसा है? ब्रिटेन में चर्च ऑफ इंग्लैंड, जिसके संरक्षण हेतु ब्रितानी राजघराना प्रतिबद्ध और शपथबद्ध है- उसके कुल 42 में से 26 बिशप-आर्कबिशपों के लिए ब्रितानी संसद के उच्च सदन हाउस ऑफ लॉर्ड्स में स्थान आरक्षित होता है। शासकीय वरिष्ठता में कैंटरबरी के आर्कबिशप ब्रितानी प्रधानमंत्री से ऊपर होते हैं। वहां राजकीय खर्च पर चर्च प्रेरित स्कूलों में लाखों छात्र पढ़ते हैं। यह सुविधा अन्य मजहबों को प्राप्त नहीं। क्या ऐसा सेकुलरवाद आदर्श हो सकता है? वास्तव में, यह विवाद आस्था की स्वतंत्रता का नहीं है। एक ओर भारतीय सनातन संस्कृति है, जिसका मूल मंत्र है- एकं सत विप्रा बहुधा वदंति-अर्थात ईश्वर एक है, उस तक पहुंचने के कई मार्ग हो सकते हैं। दूसरी तरफ एकेश्वरवादी चिंतन है, जिसमें केवल उनका ईश्वर सच्चा, शेष झूठे और फरेब होने का सिद्धांत है। इसी तथाकथित झूठ और फरेब को मिटाने हेतु विश्व में कई मजहबी संघर्ष- क्रूसेड और जिहाद हुए हैं। इसमें लाखों निरपराध इसलिए मार दिए गए, क्योंकि वे उनके अनुसार सच्चे नहीं थे। मानवता विरोधी यह युद्ध आज भी जारी है, जिसका समयानुसार, स्वरूप बदल गया है- बाकी उद्देश्य और एजेंडा अब भी अपरिवर्तित है। इस संकीर्ण मानसिकता से सर्वाधिक खतरा है।

बहुलतावाद के पक्ष में राजनीतिक इंद्रधनुष के दूसरी तरफ बैठे बुद्धिजीवी

रामचंद्र गुहा

कन्नड़ साहित्य जगत में देवानूर महादेव ने पहले लघुकथाओं और उपन्यासिका कुसुमबले के माध्यम से अपनी पहचान बनाई, जिसमें मौलिकता और शक्ति थी। उसके बाद से उन्होंने अपनी राजनीतिक अखंडता और नैतिक साहस का प्रदर्शन कर, सरकारी प्रलोभन के आगे झुकने से इनकार कर, और वंचितों तथा शोषितों से अपनी पहचान जोड़कर सम्मान अर्जित किया है। वह अंतर-धार्मिक सद्भाव के भावुक समर्थक हैं, बहुलतावाद के प्रति उनकी प्रतिबद्धता हाल ही में हलाल मटन खरीदने के लिए मैसूर के एक बाजार में जाने के दौरान देखी गई, जब हिंदुत्व के उग्र समर्थक इस पर प्रतिबंध की मांग कर रहे थे। इसी जुलाई में महादेव ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर अपने दृष्टिकोण पर केंद्रित एक पुस्तिका प्रकाशित करवाई। इसके प्रकाशित होने के एक हफ्ते बाद द न्यूज मिनट वेबसाइट ने लिखा = आरएसएस की आलोचनात्मक पड़ताल करने वाली इस पुस्तिका के जारी होने के बाद से इसकी भारी बिक्री हो रही है, जिसके चलते राज्य का दक्षिणपंथी पारिस्थितिकी तंत्र पुस्तिका और उसके लेखक, दोनों को बदनाम करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। सत्ताधारी भाजपा के सांसदों के साथ-साथ जो लोग राजनीतिक इंद्रधनुष के दूसरी तरफ बुद्धिजीवियों के रूप में जाने जाते हैं, उन्होंने लेखक को निशाने पर लिया है।

इसके बावजूद इस पुस्तिका की दसियों हजार प्रतियां बिक चुकी हैं, जिन पर राज्य के कोने-कोने में चर्चा और बहस हो रही है। कन्नड़ न जानने वाले हम जैसे लोगों के लिए प्रसन्नता की बात यह है कि महादेव का यह पर्चा अब तमिल, तेलुगू और मलयालम सहित अन्य भाषाओं में उपलब्ध है। हाल ही में मैंने इसका एसआर रामकृष्ण द्वारा किया गया अंग्रेजी अनुवाद पढ़ा, जो कि जल्द ही पुस्तिका के रूप में प्रकाशित होगा। इसका मुख्य पाठ दो विचारकों महादेव सदाशिवराव गोलवलकर और विनायक दामोदर सावरकर के उद्धरणों से शुरू होता है, जिन्होंने हिंदुत्व को उस तरह गढ़ा, जैसा आज वह दिखता है। हम यहां गोलवलकर को जाति व्यवस्था और उसके अंतर्निहित पदानुक्रम को इस आधार पर सही ठहराते हुए पाते हैं कि इन्हें शास्त्रों की स्वीकृति प्राप्त है, और सावरकर मनुस्मृति की पूजा करने का आग्रह करते हैं, बावजूद इस तथ्य के कि जाति और लैंगिक असमानता का समर्थन भारतीय संविधान में अनैतिक है। महादेव ने सावरकर का जो उद्धरण चुना है, वही बहुत कुछ कहता है = मनुस्मृति वह शास्त्र है, जो हमारे हिंदू राष्ट्र के लिए वेदों के बाद सबसे अधिक पूजनीय है और जो प्राचीन काल से ही हमारी संस्कृति-रीति-रिवाज, विचार और व्यवहार का आधार बना हुआ है। सदियों से इस पुस्तक ने हमारे राष्ट्र के आध्यात्मिक और दैवीय पथ को संहिताबद्ध किया है। आज भी करोड़ों हिंदू अपने जीवन और व्यवहार में जिन नियमों का पालन करते हैं, वे मनुस्मृति पर आधारित हैं। आज मनुस्मृति हिंदू कानून है। वह मूलभूत है। आरएसएस के विचारक गोलवलकर एक अन्य उद्धरण में राज्यों के संघ की संघीय प्रणाली को जहरीला कहते हैं, और इसके बजाय एक देश, एक राज्य, एक विधानमंडल, एक कार्यपालिका के समरूप सिद्धांत पर आधारित एकात्मक राजनीतिक प्रणाली का आग्रह करते हैं। देवानूर महादेव आरएसएस के अपरिष्कृत विमर्श की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करते हैं। गोलवलकर की किताब बंच ऑफ थॉट्स को संघ की बाइबिल कहा जाता है, लेकिन जैसा कि महादेव लिखते हैं। यदि आप इस किताब में यह तलाशने की कोशिश करें कि जिसे विचार या चिंतन कहा जा सकता है, तो आपको बहुत निराशा होगी। यह केवल आकस्मिक, खतरनाक मत प्रस्तुत करती है, वह भी बीते हुए समय के। (उस किताब को कई बार पढ़ने के बाद मैं उनके इस निष्कर्ष से सहमत हूं) महादेव आरएसएस के बारे में कहते हैं कि 'उसकी विचारधारा इतनी संकीर्ण है कि किसी और की तो बात छोड़ें, कोई भी समझदार ब्राह्मण अतीत के ऐसे खतरनाक दृष्टिकोण को स्वीकार नहीं कर सकता, जो वह प्रस्तुत करता है। महादेव ने भारतीय संविधान के एक रक्षक के नजरिये से लिखा है कि यह दस्तावेज वास्तविकता में बहुलतावाद, जाति तथा लैंगिक समानता, अभिव्यक्ति की आजादी, और संघवाद के मूल सिद्धांत के घोर विरोधी हैं। महादेव तो यह भी कहते हैं, वे भारतीय संविधान को जितना अधिक नुकसान पहुंचाते हैं, वे उतना ही अधिक विजेता महसूस करते हैं। महादेव लिखते हैं, संविधान को कमजोर करने के लिए आरएसएस और उसके संबद्ध अकथनीय कार्य कर रहे हैं। वे ऐसा खेल खेल रहे हैं, जैसा उन्हें नहीं करना चाहिए। वे उस संघवाद को उलटने की कोशिश कर रहे हैं, जो राज्यों और केंद्र सरकार को बांधता है और जो संविधान का आधार है। महादेव टिप्पणी करते हैं कि 2014 में सत्ता में आने के बाद से भाजपा संघवाद को ध्वस्त कर, और संविधान के महत्वपूर्ण हिस्से का निर्माण करने वाली संघीय प्रणाली को कमजोर कर गोलवलकर को गुरु दक्षिणा दे रही है। महादेव सत्य के प्रति कम सम्मान, ऐतिहासिक रिकॉर्ड से छेड़छाड़ और फेक न्यूज के मुद्दे को रेखांकित करते हैं, हिंदू दक्षिणपंथी जिसके लिए जाने जाते हैं और अब जिसे व्हाट्सएप और फेसबुक के जरिये फैलाया जाता है। वह आरएसएस द्वारा नियंत्रित भाजपा सरकारों द्वारा जारी पाठ्यपुस्तकों में प्रचारित कई झूठों की जांच करते हैं, जो हमारे बच्चों के मन में उन भारतीयों के प्रति घृणा का जहर घोलने की कोशिश करते हैं, जो हिंदू नहीं हैं। महादेव को इस बात का भी श्रेय जाता है कि उन्होंने स्वीकार किया है कि आरएसएस और भाजपा के अलावा अन्य राजनीतिक ताकतों ने लोकतांत्रिक पतन में योगदान दिया है। जैसा कि उन्होंने लिखा जब आप भारत के राजनीतिक दलों को देखते हैं, तो आप ये पहलू देखते हैं- 1. एकल-व्यक्ति के नेतृत्व वाली पार्टी, 2. परिवार-नियंत्रित पार्टी, 3. एक संविधान-विरोधी संगठन के नेतृत्व वाली पार्टी। ये तीनों लोकतंत्र के लिए हानिकारक हैं।

पील ऑफ मास्क के रूप में टिश्यू पेपर का इस्तेमाल किया जा सकता है

टिश्यू पेपर से बनी पोर स्ट्रिप आपके ब्लैकहेड्स से छुटकारा दिला सकती है

साफ-सफाई के अलावा इन कामों में भी इस्तेमाल हो सकता है

टिश्यू पेपर

खाना खाने के बाद हाथ पोंछने के लिए लोग अक्सर टिश्यू पेपर का इस्तेमाल करते हैं. ऐसे में टिश्यू पेपर का यूज सिर्फ डाइनिंग टेबल तक ही सीमित रह जाता है. क्या आप स्किन केयर में टिश्यू पेपर के इस्तेमाल के बारे में जानते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि टिश्यू पेपर त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने में मददगार होता है। सुंदर और निखरी त्वचा पाने के लिए भी टिश्यू पेपर का यूज बेस्ट हो सकता है। तो आइए जानते हैं स्किन केयर में टिश्यू पेपर को इस्तेमाल करने के तरीके और इसके कुछ फायदों के बारे में।

ब्लैकहेड्स से मिलेगी निजात

चेहरे के ब्लैकहेड्स से छुटकारा पाने के लिए आप टिश्यू पेपर से बनी पोर स्ट्रिप्स यूज कर सकते हैं। इसके लिए टॉवल को गर्म करके फेस पर रखें। इससे त्वचा के स्किन पोर्स ओपेन हो जाएंगे। अब 1 एग व्हाइट में 5 बूंद टी ट्री ऑयल मिलाकर चेहरे पर लगाएं और फिर टिश्यू पेपर रखकर इस पेस्ट को दोबारा अप्लाई करें। फिर 10-15 मिनट बाद टिश्यू पेपर को बैंडेज की तरह खींच कर निकाल दें। इससे चेहरे के ब्लैकहेड्स कम होने लगेंगे।

चेहरे पर आएगा निखार

फेस पर ग्लो लाने के लिए कई लोग पील ऑफ मास्क ट्राई करते हैं। टिश्यू पेपर से भी आप पील ऑफ मास्क बना सकते हैं। इसके लिए 1 एग व्हाइट में 2 बूंद नींबू का रस और 5 बूंद बादाम का तेल मिलाकर चेहरे पर लगाएं। इसके बाद फेस पर टिश्यू पेपर लगाकर हल्के हाथों से प्रेस करें। अब 20 मिनट बाद टिश्यू पेपर को पील ऑफ मास्क की तरह खींच कर निकाल दें। इससे आपके फेस की गंदगी बाहर आ जाएगी और आपका चेहरा चमकने लगेगा।

लिपस्टिक को मैट लुक दें

शिमरी या ग्लॉसी लिपस्टिक को मैट लुक देने के लिए भी आप टिश्यू पेपर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए होठों पर लिपस्टिक लगाएं और फिर टिश्यू पेपर को होठों के बीच में रखकर प्रेस कर लें। इससे आपके लिप्स स्मूद नजर आएंगे और आपकी लिपस्टिक भी लम्बे समय तक नहीं छूटेगी।

बालों को स्ट्रेट करें

बालों पर हेयर स्ट्रेटनर का इस्तेमाल करते समय भी आप टिश्यू पेपर की मदद ले सकते हैं। ऐसे में हेयर स्ट्रेटनर या कर्लिंग रॉड में टिश्यू पेपर लपेटने के बाद बालों को सीधा या कर्ली करें। इससे आपके बालों पर हीटिंग टूल्स के ज्यादा नुकसान नहीं देखने को मिलेंगे और आपके बाल ड्राई या डैमेज होने से भी बच सकेंगे।

आईशैडो लगाने में मददगार

आंखों पर आईशैडो लगाते समय कई बार ये फेस पर गिर जाता है। जिससे आपका सारा मेकअप खराब हो सकता है। ऐसे में आईशैडो लगाने से पहले टिश्यू पेपर को गीला करके गालों पर रख लें। इससे आपका मेकअप लुक जस का तस बरकरार रहेगा।

हंसना मना है

संता अपने वाइफ की चोटी पकड़ कर सोया था। वाइफ : तुम मेरी चोटी पकड़ कर क्यूं सोये हो । संता: न्यूज आई है की सभी पति अपनी पत्नी की चोटी पकड़ कर सोये, नहीं तो सुबह तक आप की सजनी, गजनी हो जाएगी।

नियाग्रा फॉल्स पर गाइड: मैं आप सबका नियाग्रा फॉल्स पर स्वागत करता हूं। यह दुनिया का सबसे विशाल वॉटर फॉल है। यहां से गिरते पानी की आवाज इतनी तेज है कि एक साथ 20 सुपरसोनिक जहाज भी यहां से गुजर जाएं तब भी उनकी आवाज सुनाई नहीं देगी। अब मैं भारतीय महिलाओं से गुजारिश करूंगा कि वे प्लीज शांत हो जाएं, ताकि हम नियाग्रा फॉल्स की आवाज सुन सकें..!

संता बहुत ही खुश था। संता कुछ गांव वालों के साथ घूम रहा था तभी उसने कहा: जो मेरी एक इच्छा पूरा करेगा उसको मैं एक लाख रुपया दूंगा। सब गांव वाले सोच में पड़ गए और बोलो क्या इच्छा है तुम्हारी। संता बोला: मुझको दो लाख रुपया चाहिए। संता की बात सुनकर गांव वाले कोमा में।

राजजी (ताऊ से)- शादी में दूल्हे के साथ बाराती क्यों जाते हैं? ताऊ-क्योंकि बड़े कहते हैं कि किसी की खुशी में जाओ या न जाओ पर मुसीबत में जरूर जाना चाहिए।

कहानी | पछतावा

एक बार धीरज बाबू अपने बेटे को लेकर उसे जूते दिलाने के लिए बाजार ले जाते हैं। बाजार से गुजरते समय उनके बेटे को एक दुकान पर रखे जूते बहुत पसंद आ जाते हैं और वह अपने पिता से कहता है कि मैं यही जूते लूंगा। बेटे की जिद पर धीरज बाबू दुकानदार से पूछते हैं कि ये जूते कितने के हैं। साहब, आठ सौ पचास रुपए के दुकानदार ने जवाब दिया। दुकानदार से भाव सुनकर धीरज बाबू ने अपने बेटे को धीरे से समझाया पुनीत! मैं तुम्हें दूसरी दुकान लिए चलता हूं। ये जूते बहुत महंगे हैं। दोनों उस दुकान से बाहर निकलने लगे। अरविंद के पिताजी और मेरे पिताजी एक ही पद पर हैं लेकिन दोनों में कितना अंतर है, उसके पिताजी उसकी हर मांग पूरी करते हैं, उसकी हर चीज कितनी अच्छी होती है और मेरे पिताजी कुछ खरीदते समय कितना सोचते हैं। अपने मनपसंद जूतों को न खरीद पाने के कारण पुनीत मन ही मन झल्ला रहा था और अपने पिताजी की कंजूसी पर उसे क्रोध भी आ रहा था। मैं जो कपड़े पहनता हूं, उससे अच्छे तुम्हें पहनाता हूं। तुम तसल्ली रखो, मैं तुम्हें अच्छे जूते दिलवाऊंगा। बेटा! ईमानदारी के पैसों को फिजूल में खर्च करने की मैं हिम्मत नहीं जुटा पाता हूं। तुम बड़े होकर समझोगे कि ईमान और बेईमानी के धन में क्या फर्क होता है। अपनी बात पूरी कर पिताजी ने पुनीत के सिर पर हाथ रख दिया। पुनीत चाहकर भी निगाहें ऊपर नहीं कर पा रहा था। पिताजी की बात सुनकर पुनीत को अपनी सोच पर पछतावा हो रहा था, शायद इसीलिए उसके मन में अपने और अरविंद के पिताजी अब उसके लिए बुराई और अपने पिताजी श्रद्धा के पात्र बन गए थे।

8 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष दुष्टजनों से सावधान रहें। हानि पहुंचा सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कहीं से बुरी खबर मिल सकती है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

वृषभ कम प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा।

मिथुन प्रेम-प्रसंग में हड़बड़ी न करें। विवाद हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। युवक व युवती विशेष सावधानी बरतें। विवाद को बढ़ावा न दें।

कर्क थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। धन प्राप्ति सुगम होगी।

सिंह जल्दबाजी में कोई भी लेन-देन न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

कन्या कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें।

तुला शत्रु शांत रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। नए कार्य प्रारंभ करने की योजना बनेगी।

वृश्चिक संतान पक्ष से स्वास्थ्य तथा अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यशैली में परिवर्तन करना पड़ सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

धनु कानूनी बाधा संभव है। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धनहानि किसी भी तरह हो सकती है। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

मकर कष्ट, भय, चिंता तथा तनाव का वातावरण बन सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है।

कुम्भ कोई ऐसा कार्य न करें जिससे अपमान हो। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। प्रॉपर्टी के काम बड़ा लाभ दे सकते हैं।

मीन आंखों को रोग व चोट से बचाएं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। मनोरंजक यात्रा की आयोजना हो सकती है। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मैंने गुस्से में खुद को तबाह कर लिया था : प्रतीक बब्बर

प्रतीक बब्बर जल्द ही मधुर भंडारकर की फिल्म लॉकडाउन इंडिया में नजर आने वाले हैं। प्रतीक इसमें अपनी मेट्रो सिटी बॉय की इमेज के विपरीत एक माइग्रेंट वर्कर के किरदार में हैं। इंटरव्यू के दौरान प्रतीक ने बताया कि वे इस किरदार को अपनी मां के लिए ट्रिब्यूट करना चाहते हैं। इसी बीच प्रतीक हमसे अपनी जर्नी, अप्स ऐंड डाउन और मां स्मिता पाटिल से जुड़े कुछ दिलचस्प किस्से शेयर करते हैं। हालांकि जब मधुर भंडारकर सर मेरे पास यह स्क्रिप्ट लेकर आए, तो मुझे हैरानी जरूर हुई थी। क्योंकि अभी तक मैंने ऐसा कोई किरदार निभाया नहीं था। यह मेरी इमेज के विपरीत सा किरदार है। हम माइग्रेंट वर्कर्स की जिंदगी से वाकिफ हैं। उनकी रोजानी की दिक्कतों को हम जानते हैं।अपने परिवार को चलाना उनके लिए बहुत बड़ा स्ट्रगल होता है। खासकर जब लॉकडाउन हुआ था, उस वक्त सबसे ज्यादा असर किसी पर पड़ा था, तो वो इसी तबके के लोग थे। मुसीबत इतनी थी कि उन्होंने अपने घर पहुंचने के लिए पैदल चलना शुरू कर दिया था। मुझ पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी थी कि मैं इस कम्यूनिटी को सही तरीके से प्रोजेक्ट कर सकूं। पूरी शूटिंग का एक्स्पीरियंस बहुत कमाल का रहा है। एक और कारण यह भी था कि मेरी मां (स्मिता पाटिल) ने ऐसे किरदारों को परदे पर निभाया है। उनके कई रोल्स से जमीन से जुड़े हुए रहे हैं। मैं उनको अपने तरीके से ट्रिब्यूट देना चाहता था। हां बहुत, मैं प्रेशर में ही रहता हूं। हालांकि इसी प्रेशर से मुझे एनर्जी भी मिलती है। मैं इससे और कॉन्फिडेंट हो जाता हूं। मुझे लगातार याद दिलाया जाता है कि मैं कितनी प्रतिभाशाली एक्टर का बेटा हूं। मेरे लिए उनकी तरह बनना बड़ा अचीवमेंट होगा। जब भी मां के बारे में सोचता हूं, उनकी फिल्में या तस्वीरें देखता हूं, तो उस वक्त क्या महसूस करता हूं, उसे शायद मैं बयां न कर पाऊं। मां से जुड़ी बातें कीमती होती हैं।

बर्थडे पर एक्शन अवतार में नजर आए कार्तिक आर्यन

बॉलीवुड | गपशप

कार्तिक आर्यन अपना 32वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस खास मौके पर सोशल मीडिया पर तो उन्हें जमकर विशेश मिल ही रही हैं। वहीं अब एक्टर ने अपने फैंस को रिटर्न गिफ्ट दे दिया है। कार्तिक ने अपनी फिल्म शहजादा का टीजर जारी कर दिया है। जिसमें उनका लुक लोगों को काफी पसंद आ रहा है।

कार्तिक ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। एक्टर ने अपनी आने वाली फिल्म शहजादा का टीजर वीडियो पोस्ट किया है। इसमें कार्तिक जबरदस्त एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। बता दें कि फिल्म में कार्तिक के किरदार का नाम बंटू है। वीडियो में एक्टर का एनर्जेटिक टपोरी लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है। उन्होंने कैप्शन में लिखा- जब बात फैमली पर आए तो डिस्कस नहीं करते, एक्शन करते हैं। टीजर की शुरुआत कार्तिक आर्यन के धमाकेदार एक्शन सीन्स से होती है। वहीं फिल्म में उनका कॉमेडी अवतार भी देखने को मिलने वाली है। फिल्म के टीजर में कृति सेनन का भी ग्लैमर अवतार देखने को मिलता है। टीजर सामने आते ही इंटरनेट पर धूम मचा रहा है। वहीं कई लोगों का कहना है कि कार्तिक अल्लू अर्जुन की नकल करते नजर आ रहे हैं। शहजादा फिल्म अल्लू अर्जुन की वैकुंठपुरमलो का हिंदी रीमेक है। फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था।

वरुण की कुछ हरकतें करती हैं एरिटेट : कृति सेनन

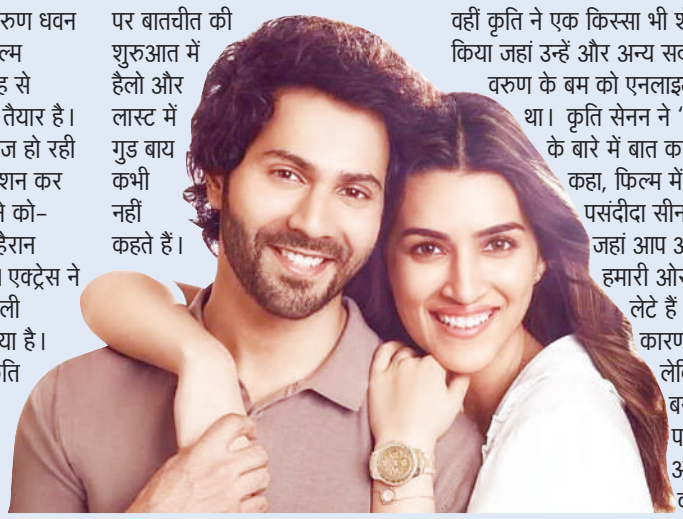

कृति सेनन और वरुण धवन की अपकमिंग फिल्म 'भेड़िया' पूरी तरह से सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। ये फिल्म 25 नवंबर को रिलीज हो रही है। स्टार फिल्म का खूब प्रमोशन कर रहे हैं। इस बीच कृति ने अपने को-स्टार वरुण धवन के बारे में हैरान करने वाला खुलासा किया है। एक्ट्रेस ने वरुण की गुस्सा दिला देने वाली आदतों के बारे में सबको बताया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कृति ने बताया कि वरुण की कुछ ऐसी आदतें हैं जिन पर मुझे गुस्सा आता है। जैसे वे कॉल का जवाब नहीं देते हैं, फोन पर बातचीत की शुरुआत में हैलो और लास्ट में गुड बाय कभी नहीं कहते हैं। वहीं कृति ने एक किस्सा भी शेयर किया जहां उन्हें और अन्य सदस्यों को वरुण के बम को एनलाइज करना था। कृति सेनन ने 'भेड़िया' के बारे में बात करते हुए कहा, फिल्म में मेरा पसंदीदा सीन वह था जहां आप अपने बम हमारी ओर करके लेटे हैं। उस कारण से नहीं! लेकिन मैं, बनर्जी और पालिजो आपके बम को घूर रहे हैं और उसको एनलाइज कर रहे हैं। यह बहुत मजेदार है! हर बार जब हम ऐसा कर रहे होते थे तो हम खूब हंसते थे क्योंकि हम सभी एक-दूसरे का मजाक उड़ा रहे थे। कृति ने वरुण के साथ अपनी बॉन्डिंग पर भी बात की। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे ऐसा लगता है, दिलवाले की शुरुआत में हम दोस्त नहीं थे, लेकिन शूटिंग के एंड में हम क्लोज फ्रेंड्स बन गए। एक्टर काफी लंबे टाइम के बाद स्क्रीन स्पेस शेयर करने जा रहे हैं। आखिरी बार दोनों शाहरुख-काजोल संग फिल्म 'दिलवाले' में नजर आए थे। बता दें कि दोनों फिल्म भेड़िया 25 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है।

अजब-गजब | आज तक कोई नहीं मार पाया इस विशाल दैत्य को

300 लोगों का शिकार कर चुका है यह मगरमच्छ

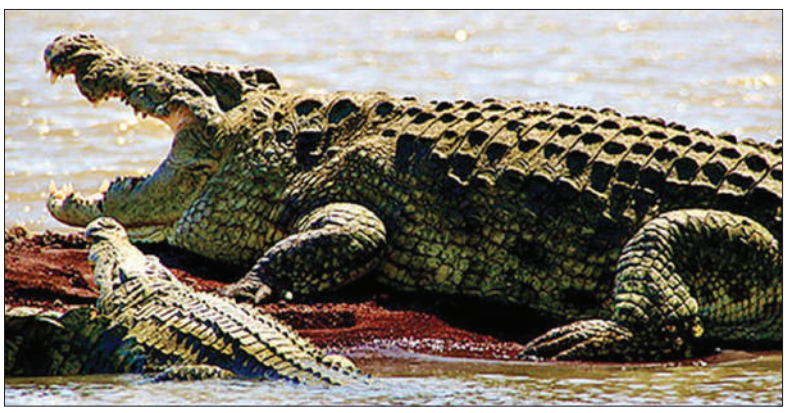

मगरमच्छ को पानी का सबसे ताकतवर जानवर माना जाता है। मगरगच्छ बहुत शक्तिशाली भी होता है। अगर कोई उसकी पकड़ में आ जाए तो उसका जिंदा बचना लगभग नामुमकिन होता है। ऐसा ही एक विशालकाय आदमखोर मगरमच्छ है, जिसे सीरियल किलर भी कहा जाता है। बताया जाता है कि यह आदमखोर मगरमच्छ अब तक लगभग 300 लोगों को मौत के घाट उतार चुका है। कई लोगों ने इसे पकड़ने और मारने का प्रयास किया लेकिन कोई भी इसमें सफल नहीं हो पाया। बीस फीट लंबे इस खूंखार मगरमच्छ को गुस्ताव उपनाम दिया गया है। यह मगरमच्छ पूर्वी अफ्रीका के बुरुंडी स्थित तांगानिका झील के पास बस्तियों में स्थानीय लोगों के लिए आतंक बना हुआ है।

पूर्वी अफ्रीका के बुरंडी के लोग इस खतरनाक मगरमच्छ से आज भी खौफ खाते हैं। अब यह मगरमच्छ यहां की लोक कथाओं का भी हिस्सा बन चुका है। हालांकि, इस बात की जानकारी नहीं है कि इसकी आयु क्या है लेकिन विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह मरगमच्छ 100 साल से अधिक पुराना है। यह मगरमच्छ अभी भी जीवित है और शिकार की तलाश में है। इसके कोई सबूत नहीं है कि वह मर चुका है। कई लोगों और शिकारियों ने इस खूंखार और विशाल मगरमच्छ को मारने का प्रयास किया, लेकिन कोई भी सफल नहीं हुआ। कुछ लोग दावा करते हैं कि मगरमच्छ गुस्ताव एक सदी से अधिक पुराना है। वहीं कई लोग तर्क देते हैं कि उसके दांत अभी भी बरकरार है, जिससे उसकी आयु 60 के करीब होने की संभावना है। आज तक इस मगरमच्छ को पकड़ा नहीं जा सका है। इसी वजह से इसके वजन और लंबाई को लेकर लोगों में कई मत हैं। वर्ष 2002 में यह कहा गया था कि वह 18 फीट (5.5 मीटर) से अधिक लंबा हो सकता है, और उसका वजन 2,000 पाउंड (910 किलोग्राम) से अधिक हो सकता है।

इस खतरनाक मगरमच्छ ने कई आदिवासियों पर हमला कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। कैप्चरिंग द किलर क्रोक नामक एक डॉक्यूमेंट्री ने इस खूंखार मगरमच्छ को पकड़ने का प्रयास किया। टीम ने लाइव चारा और एक इन्फ्रारेड कैमरे का उपयोग करके मगरमच्छ को एक बड़े जाल में फंसाने का प्रयास किया और उसकी गतिविधियों को देखा। सबसे पहले, उन्होंने एक जीवित मुर्गे का इस्तेमाल किया, उसे पिंजरे के अंदर लटका दिया। बाद में उन्होंने इसके बदले जिंदा बकरी का यूज किया क्योंकि मुर्गी वाला प्रयास विफल रहा। हालांकि, इसके बावजूद भी वे सफल नहीं हो पाए। हालांकि कुछ लोगों ने दावा किया है कि वह मगरमच्छ वर्ष 2019 में मारा गया था, लेकिन इसे साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं होने के कारण, यह डर बना हुआ है कि गुस्ताव आज भी पानी के नीचे दुबका हुआ है।

32 सालों से जंगल में अकेले रह रहा है शख्स, बिना बिजली या नल के कर रहा है जीवनयापन!

आज के वक्त में लोगों को शहरी सुख-सुविधाओं की इतनी आदत पड़ गई है कि वो बिना उन चीजों के रह ही नहीं सकते। बिजली, पानी, मोबाइल फोन, इंटरनेट जैसी चीजें सिर्फ शहरी लोगों के जीवन में ही नहीं, ग्रामीण लोगों के जीवन में भी महत्वपूर्ण हो गई हैं। क्या आप अपनी जिंदगी को बिना इन चीजों के इमैजिन कर सकते हैं? बेशक नहीं, पर जर्मनी में एक व्यक्ति पिछले 32 सालों से इन सुख-सुविधाओं के बिना अपनी जिंदगी का गुजारा कर रहा है और वो ऐसी लाइफ से बेहद खुश है। पश्चिमी जर्मनी के लॉन्गकैंप में रहने वाले 56 साल के फ्रेडमंट सॉनेमन की लाइफ बेहद आम होते हुए भी इतनी खास है कि जो कोई भी उनके बारे में सुनता है, वो हैरान रह जाता है। आज के वक्त में फ्रेंडमंट अपने इलाके में किसी हीरो से कम नहीं हैं। इसका कारण है उनकी अकेली बीतती जिंदगी।रिपोर्ट के अनुसार फ्रेंडमंट पिछले 32 सालों से शहरी इलाके छोड़कर जंगल में जाकर रह रहे हैं और शहरी चीजों का कम से कम इस्तेमाल करते हैं। उनके पास ना ही बिजली है और ना ही नल लगा है जिससे पानी की सप्लाई हो सके। पानी के लिए वो पास में बने झरने का प्रयोग करते हैं और साथ में रेनवॉटर को भी जमा करते हैं। उन्होंने कहा कि वो इस जिंदगी से खुश हैं और खुद को बिल्कुल भी बदलना नहीं चाहते। उनकी दाढ़ी काफी लंबी है और लोग उन्हें आसानी से पहचान जाते हैं। उनके पास सूखा कंपोस्ट टॉयलेट है, खुद को लकड़ियां जलाकर गर्म रखते हैं और सबसे अहम बात ये है कि वो 100 दुर्लभ पेड़-पौधों के रखवाले भी हैं। उनका कहना है कि कई पेड़ उनके दादा के वक्त के हैं जिनकी देखभाल करना जरूरी था। वो इन पेड़-पौधों के बीज बेचकर पैसे कमाते हैं जिससे वो अपने घर के खर्चों को चलाते हैं। रिपोर्ट के अनुसार पिछले कुछ वक्त से जंगल में बने उनके घर में कुछ मेहमान यानी दूसरे देश से आए लोग रह रहे हैं जो पेड़ों का ध्यान रखने में उनकी मदद करते हैं। कुल 8 लोग उनके साथ फिलहाल रह रहे हैं। जंगल में ही उन्होंने अपना फार्म तैयार कर लिया है जिसका वो ध्यान रखते हैं। सब्जियां वो वहीं उगाते हैं बस चावल या नूडल उन्हें खरीदनी पड़ती है। हाल ही में उन्होंने सोलर पैनल लगवाया है जिससे वो वॉशिंग मशीन चला सकें।

हर चुनाव प्रधानमंत्री की व्यक्तिगत छवि पर लड़ा जा रहा : सुप्रिया श्रीनेत

» बैंकों के बढ़ते एनपीए पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि वर्तमान भाजपा सरकार में बैंकों का एनपीए बढ़ा है। बड़े-बड़े डिफाल्टरों का कर्ज बट्टे खाते में डाला गया है और सरकारी बैंकों की संपत्ति औने-पौने दामों में बेची जा रही है। पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने सरकार से पूछा है कि आखिर वह बैंकों का पैसा लेकर भागने वालों को कब वापस लाएगी। कांग्रेस ने कहा कि भाजपा और पीएम मोदी इन मुद्दों को सामने रखकर चुनाव नहीं लड़ते, बल्कि भटकाने वाले विषयों को उठाया जाता है।

श्रीनेत ने कहा कि हर चुनाव प्रधानमंत्री की व्यक्तिगत छवि पर लड़ा जा रहा है, लेकिन इसका जवाब तो देना ही होगा कि पिछले पांच साल में 10 लाख करोड़ से ऊपर के कर्ज को बट्टे खाते में क्यों डाला गया। इसमें से केवल 13 प्रतिशत की ही वसूली हो पाई। इस कर्ज माफी से 61 प्रतिशत राजकोषीय घाटे की भरपाई की जा सकती थी, लेकिन सरकार इस पर कभी चर्चा नहीं करेंगी, क्योंकि इसका लाभ केवल कुछ चुनिंदा उद्योगपतियों को दिया जाना है। सुप्रिया ने कहा कि आम आदमी या किसान कर्ज का एक ईएमआइ भुगतान करने में विफल रहता है तो उसके खिलाफ तमाम कार्रवाई शुरू हो जाती है, मगर लाखों करोड़ का कर्ज नहीं चुकाने वालों पर मेहरबानी की जा रही है।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि एनपीए 2008 से 2014 के बीच पांच लाख करोड़ रुपये की तुलना में मोदी सरकार के कार्यकाल (2014 से 2020) तक बढ़कर 18 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है। एनपीए में 365 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

श्रीनेत ने सवाल उठाते हुए कहा कि जिन उद्योगपतियों को इससे फायदा पहुंचा है उनका नाम सार्वजनिक क्यों नहीं किया जा रहा है और सरकारी बैंकों की बेशकीमती संपत्तियां कौड़ियों के दाम पर क्यों बेची जा रही हैं? सरकार को यह बताना चाहिए कि वह क्या इसकी निगरानी कराते हुए जांच कराएगी।

बीजेपी सांसद निरहुआ पर केस दर्ज करने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीजेपी सांसद दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' ने मुबारकपुर विधानसभा क्षेत्र में एक सभा के दौरान कहा था कि 'आजमगढ़ के पिछड़ेपन का एकमात्र कारण यहां के लोगों का मन बढ़ा हुआ है। अगर आजमगढ़ को आगे बढ़ाना है तो पहले इसे खत्म करना होगा। जिन लोगों का मन बढ़ा हुआ है या तो उन्हें जेल भेजो या घुटना मारकर, घुटना तोड़ दो.' अब अपने इस बयान पर 'निरहुआ' ने सफाई दी है।

'निरहुआ' ने अपनी सफाई में कहा, 'अगर कोई समस्या है तो लोग कानून से पहले ही मारपीट कर एक-दूसरे से उलझ जाते हैं जबकि उन्हें कानून का सहारा लेना चाहिए। समाधान नहीं हो रहा है तो हमें अवगत कराएं। मैं समस्या का समाधान कराउंगा लेकिन कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए। उधर, 'निरहुआ' के बयान पर 'रिहाई मंच' के कार्यकर्ताओं ने आजमगढ़ के एसपी को ज्ञापन दिया है। उन्होंने 'निरहुआ' पर हेट स्पीच का आरोप लगाते हुए केस दर्ज करने की मांग की है। रिहाई मंच के महासचिव राजीव यादव ने बताया कि आजमगढ़ के सांसद दिनेश लाल 'निरहुआ' का एक बयान वायरल हो रहा जिसमें वह कह रहे हैं कि जिले के लोगों को मन बढ़ा हुआ है। आजमगढ़ के होने के नाते हमारी भावनाओं को आहत किया है।

युवाओं को 10 लाख नौकरी नहीं दी तो नहीं चलने देंगे सदन : भाजपा

» बिहार सरकार को घेरने का काम करेंगी बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में जॉब, नियुक्ति पत्र और बहाली को लेकर घमासान जारी है। इसी बीच बीजेपी ने अब सीटीईटी/बीटीईटी अभ्यर्थियों के लिए आवाज उठाई है। बिहार में अब उनकी लड़ाई बीजेपी लड़ेगी। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय जयसवाल ने बिहार सरकार को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि नीतीश कुमार ने 13 दिसंबर तक अगर इन बेरोजगारों को नौकरी नहीं दी तो बीजेपी सदन नहीं चलने देगी।

संजय जायसवाल ने कहा कि सीटीईटी/बीटीईटी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को बीजेपी ऑफिस बुलाया था। उनकी नियोजन में देरी को लेकर उत्तीर्ण अभ्यर्थियों में आक्रोश दिख रहा है। साल 2020 का चुनाव रोजगार के मुद्दे पर हुआ था। तेजस्वी ने पहली कैबिनेट के माध्यम से सरकारी नौकरी देने की घोषणा की थी। एनडीए के सरकार में बिहार में दो लाख 35 हजार सरकारी नौकरी खाली थी जिसमें एक लाख 15 हजार शिक्षा विभाग में पद खाली थी। उन्होंने कहा कि

हम जब सरकार में थे तो नीतीश कुमार पर दबाव बनाते थे कि सरकारी नौकरी 2,35000 की वैकेंसी निकाली जाए। सरकार बदलने के बाद सरकार नौकरियों का मेला लगा रही है। उन लोगों को नियुक्ति पत्र ही दिया जा रहा जो पहले ही जॉइनिंग कर चुके थे। नीतीश कुमार उस समय तेजस्वी यादव का मजाक उड़ाते थे। नीतीश तेजस्वी को कहते थे कि 10 लाख नौकरी देने के बात पर क्या तुम्हारे बाबूजी जेल से नौकरी लाकर देंगे। पैसा कहां से लाएंगे। संजय जायसवाल ने कहा कि बीजेपी अब नौकरी देने के वादे को पूरा न करने पर बिहार सरकार को घेरने का काम करेंगी। 13 दिसंबर से सदन चलेगा। बिहार सरकार नौकरी पर कोई ठोस कदम नहीं उठाती है तो बीजेपी कड़ी कार्रवाई करेगी।

कांग्रेसियों के कारण जिले पिछड़े हैं : साध्वी निरंजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। फतेहपुर में सांसद और केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि कांग्रेसियों के कारण जिले पिछड़े पड़े हैं। 70 सालों से राज करने वालों की वजह से विकास नहीं हुआ। वहीं गुजरात चुनाव पर उन्होंने कहा कि गुजरात में बीजेपी की 130 के ऊपर सीटें आएंगी।

गुजरात में नई नई पार्टियां गईं हैं वे सिर्फ सोशल मीडिया में सीमित है। बीजेपी 2017 से ज्यादा सीट लेकर आ रही है। सांसद ने आजमगढ़ में हुई हत्या को निंदनीय ठहराया। विकास कार्यों को लेकर उन्होंने कहा कि 2019 के बाद लोगों को केंद्र और प्रदेश सरकार के विकास कार्य दिख रहे हैं। चाचा भतीजे के एक होने से बीजेपी को कोई नुकसान नहीं हो रहा है। यह उनके परिवार का विषय है। श्रद्धा हत्याकांड पर मंत्री साध्वी ने कहा कि बेटियों से अनुरोध करना चाहूंगी कि वे किसी के बहकावे में ना आएं। बहुत सारे मामले आये हैं जिनका कोई अता पता नहीं है। इसलिए झांसे में आने से बचें। उन्होंने कहा कि लवजिहाद मामलों से बचे।

सवालों के घेरे में अयोध्या के उपनिदेशक सूचना

» गोपनीय कागज सार्वजनिक होने से पत्रकारों में भारी रोष

ओम प्रकाश सिंह

अयोध्या। समाज के दुख दर्द से सरकार को अवगत कराने वाले रामनगरी के पत्रकारों पर सरकारी साजिश ने मुकदमा दर्ज करवा दिया है। उपनिदेशक सूचना मुरलीधर सिंह, प्रेस क्लब सिविल लाइन अयोध्या के प्रशासक बनना चाहते है। इसी के चलते अयोध्या धाम में एक करोड़ की लागत से बना अंतरराष्ट्रीय मीडिया सेंटर लोकार्पण के साल भर बाद भी देशभर के पत्रकारों के लिए संचालित नहीं हो पा रहा है।

आपराधिक किस्म के एक पत्रकार को मोहरा बनाकर उप सूचना निदेशक लगातार प्रेस क्लब से जुड़े पत्रकारों के खिलाफ साजिश रचता रहा है। कई शिकायतों पर जांच हुई तो रिपोर्ट को तत्कालीन जिलाधिकारी अनुज ओझा ने रिपोर्ट को अस्वीकार करते हुए शासन को अलग से पत्र भेजा और उप सूचना निदेशक को फटकार भी लगाई थी। इसके बाद उप सूचना निदेशक ने गोपनीय पत्रावली में से जांच रिपोर्ट अपने एक अपराधी व्यक्ति को दे दिया और उसी की फोटो कॉपी पर यह तूफान खड़ा किया गया है। फोटोकॉपी की कोई लीगल वैल्यू नहीं है। प्रेस क्लब की स्थापना 1994 में हुई है। बता दें कि उप सूचना निदेशक मुरलीधर सिंह की योजना विवाद पैदा कर स्वयं प्रशासक बनने की है। प्रेस क्लब के पदाधिकारी ने उपनिदेशक सूचना से सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के तहत प्रमाणित जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराने की मांग किया था तो गोपनीय रिपोर्ट बता कर नहीं दिया गया था। सवाल यह उठता है जांच रिपोर्ट फोटोस्टेट होकर आखिर सार्वजनिक कैसे हुई। इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी उप सूचना निदेशक मुरलीधर की हो रही है, जिसकी जांच भी किया जाना आवश्यक है। उनके द्वारा गोपनीय कागजों को सार्वजनिक किया जाना स्वयं में अपराध है। इन सारे कारनामों से अयोध्या जनपद के पत्रकारों में भारी रोष है। जिसको लेकर देश के प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री योगी को उत्तर प्रदेश एसोसिएशन आफ जर्नलिस्ट्स ने शिकायत पत्र भेजकर जांच कराने की मांग किया है।

तेजस्वी से मुलाकात करेंगे ठाकरे, सियासी हलचल तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। शिवसेना-यूबीटी के नेता और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे आज पटना में उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से मुलाकात करेंगे। यह खबर आते ही अब बिहार के सियासी गलियारे में हलचल तेज हो गई है। मुलाकात के मायनों को लेकर नजरें टिकी हैं कि दोनों युवा नेताओं की इस मुलाकात पर क्या कुछ होने वाला है। आदित्य ठाकरे के मीडिया सलाहकार हर्षल प्रधान के अनुसार आगामी बैठक राष्ट्रीय जनता दल के नेता के लिए एक शिष्टाचार भेंट होगी।

पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य (32 वर्ष) के साथ पार्टी के दो सांसद-पार्टी सचिव अनिल देसाई और उप नेता प्रियंका चतुर्वेदी और अन्य पदाधिकारी बैठक में शामिल होंगे। हालांकि यहां पार्टी के नेताओं ने यह टिप्पणी करने से इनकार

कर दिया कि क्या बैठक के लिए कोई राजनीतिक एजेंडा तय किया गया क्योंकि वीर सावरकर पर हाल के विवाद को लेकर शिवसेना-यूबीटी वर्तमान में महा विकास अघाड़ी सहयोगी कांग्रेस के साथ एक चट्टानी पैच का अनुभव कर रही है। इस बीच, शिवसेना-यूबीटी के मुख्य प्रवक्ता संजय राउत ने संकेत दिया कि वह कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में बाद के चरण में शामिल होंगे। चर्चा है कि विपक्षी एकता को मजबूत करने और बीजेपी के साथ अपनी लड़ाई तेज करने को लेकर शिवसेना के युवा नेता आदित्य ठाकरे यह मुलाकात कर रहे हैं।

उद्धव को आय से अधिक संपत्ति मामले में राहत

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट की बेंच ने कथित तौर पर आय से अधिक संपत्ति के लिए उद्धव ठाकरे और उनके परिजनों के खिलाफ सीबीआई जांच की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। इस दौरान पीठ ने कहा कि मामले को एक अन्य उपयुक्त पीठ के समक्ष रखा जाएगा। याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट से महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ गहन और निष्पक्ष जांच करने के लिए सीबीआई और ईडी को निर्देश देने का अनुरोध किया था। वहीं दूसरी ओर शहर में खुले मैनहोलों के कारण होने वाली मौतों को लेकर दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को लताड़ लगाई है। साथ ही तत्काल प्रभाव से इन खुले हुए मैनहोलों को बंद करने का निर्देश दिया है।

यूपी पुलिस पर हमें गर्व : सीएम योगी

डीजीपी डीएस चौहान ने पुलिस झंडा दिवस पर मुख्यमंत्री को लगाया फ्लैग पिन

» मुख्यमंत्री ने कहा- समर्पण, संवेदनशीलता और सेवा की प्रतीक यूपी पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आज पुलिस झंडा दिवस है। इसी कड़ी में यूपी के सभी जिलों में थानों, पुलिस चौकियों व सभी पुलिस कार्यालयों में पुलिस झंडा दिवस यानी यूपी पुलिस फ्लैग डे धूमधाम से मनाया गया। पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर डीजीपी डीएस चौहान ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को फ्लैग पिन लगाया और प्रतीक चिन्ह भी सौंपा। मुख्यमंत्री योगी ने ट्वीट कर प्रदेश की पुलिस को पुलिस झंडा दिवस की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस के समस्त अनुशासित एवं कर्तव्यनिष्ठ कार्मिकों को पुलिस झंडा दिवस की हार्दिक बधाई। समर्पण, संवेदनशीलता और सेवा की प्रतीक यूपी पुलिस पर हमें गर्व है। जय हिंद।

बता दें कि प्रतिवर्ष 23 नवंबर को यूपी में पुलिस झंडा दिवस मनाया जाता है। यूपी पुलिस पूरे भारतवर्ष का प्रथम राज्य पुलिस बल है। जिसे उसके अप्रतिम योगदान के फलस्वरूप 23 नवंबर, 1952 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री द्वारा पुलिस ध्वज प्रदान किया गया है। 23 नवंबर 1952 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने उत्तर प्रदेश पुलिस को पुलिस कलर व ध्वज प्रदान किया था। ध्वज का आकार चार फीट लंबा व तीन फीट चौड़ा, ध्वज में दो रंग है। इसमें ऊपर लाल रंग व नीचे नीला रंग है। इसी दिन पीएसी बल को भी ध्वज प्रदान किया गया था।

निकायों में भाजपा आई तो बनेगी ट्रिपल इंजन की सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में और उत्तर प्रदेश में उनके नेतृत्व में भाजपा की अपराध और भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति से माहौल बदला है। पहले यूपी बीमारू प्रदेश था, लेकिन अब देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी संभावनाओं का प्रदेश है। हमारे पास सबसे ज्यादा प्रतिभाशाली युवा हैं। इसको मौका मिला है तो उसने प्रदेश की तरक्की में अपना योगदान दिया है। प्रदेश की नई तस्वीर सबके सामने है। मुख्यमंत्री ने 755 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करते हुए कहा कि गाजियाबाद को और विकसित बनाना है तो यहां के लोगों का योगदान जरूरी है। नगर निकायों में भाजपा रहेगी तो डबल इंजन की सरकार ट्रिपल इंजन की सरकार बन जाएगी।

'जिन लोगों ने जाति और परिवारवाद के नाम पर बांटा, उन्हें फिर मौका न दें'

गाजियाबाद में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2017 से पहले जंगल राज था। यहां पहले व्यापारी और उद्यमी पलायन करते थे लेकिन अब अपराधी प्रदेश छोड़कर पलायन कर रहे हैं। विपक्ष पर निशाना साधते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जो लोग परिवारवाद के नाम पर जातिवाद के नाम पर प्रदेश के सामाजिक ताने-बाने को छिन्न भिन्न करते थे, उनकी आदतें जाती नहीं हैं। जिसने प्रदेश की जनता तो तबाह किया हो, वह कितनी ही सफाई दें, उनकी बुरी आदतें जाएंगी नहीं। उन्हें दोबारा मौका मिला तो वह फिर वहीं करेंगे। सुरक्षा और व्यवस्था का नजारा देखना है तो प्रदेश की कांवड़ यात्रा को देखिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था बेहतर होने से व्यापार के लिए माहौल भी बेहतर हुआ है। पलायन कर चुके व्यापारी अब दोबारा आकर यहां निवेश करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने यहां 878 करोड़ की 755 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर जनता को सौगात दी।

कौशल किशोर के भतीजे ने फांसी लगाकर दी जान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में दुबग्गा के बेगरिया में स्थित रियल एस्टेट कारोबारी केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर के भतीजे नंद किशोर (47) ने बुधवार फांसी लगाकर जान दे दी। उनका शव कमरे में पंखे के सहारे लटकता हुआ मिला। उनके बेटे विशाल केमुताबिक वह कुछ दिनों से परेशान चल रहे थे। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है।

प्रभारी निरीक्षक सुखवीर सिंह भदौरिया के मुताबिक रियल एस्टेट कारोबारी नंद किशोर बुधवार को अपने कमरे में लेटे हुए थे। मृतक के भाई अजय रावत ने बताया कि नंद किशोर का कमरा अंदर से बंद था और कई बार आवाज देने पर भी नहीं खुल रहा था। इस पर पुलिस को सूचना दी। बाद में कमरे में पंखे के सहारे उनका शव लटकता मिला। मृतक ने दो शादी की थी। एक पत्नी मुस्लिम समुदाय और दूसरी हिन्दू समुदाय से है। दोनों पत्नियों से बच्चे हैं। पहली पत्नी शकीला से दो बच्चे अफजल व साहिल, वहीं दूसरी पत्नी से बेटा विशाल और आदर्श, बेटी अंशिका, सिखा हैं।

सुसाइड के कारणों का नहीं चला पता

दुबग्गा पुलिस के मुताबिक दुबग्गा बेगरिया स्थित घर पर केंद्रीय मंत्री के भतीजे नंद किशोर के आत्महत्या की सूचना मिली थी। शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। सुसाइड के कारणों का पता नहीं चला है। परिजन भी सुसाइड के कारण नहीं बता सके। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शाहजहांपुर कोर्ट में भाजपा सांसद फरार घोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शाहजहांपुर की अदालत ने भाजपा सांसद को फरार घोषित कर दिया है। कोर्ट ने आदेश दिया कि सांसद के घर के बाहर सार्वजनिक स्थान पर यह नोटिस चस्पा किया जाए।

मामले में मुकदमा दर्ज हुआ, तब अरुण सागर चुनाव लड़ रहे थे। चुनाव जीतने के बाद कोर्ट ने सांसद अरुण सागर को कई बार समन भेजे लेकिन वह अदालत में पेश नहीं हुए। कोर्ट ने सख्त रवैया अपनाते हुए भाजपा सांसद को फरार घोषित कर दिया। सांसद अरूण सागर ने बताया कि बीते लोकसभा चुनाव में भाजपा ने टिकट दिया था। उनके किसी समर्थक ने फोटो लगे होर्डिंग को कार में रख लिया था। जानकारी भी नहीं थी। तब मुकदमा दर्ज कराया था।

अतीक को सबसे बड़ी चोट देने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बाहुबली माफिया अतीक अहमद के आर्थिक साम्राज्य पर सबसे बड़ी चोट देने की तैयारी है। उसकी 117 करोड़ रुपए की कुल मूल्य वाली संपत्ति गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क की जाएगी। इसकी अनुमति जिला प्रशासन ने दे दी है। अतीक की यह संपत्तियां बेशकीमती जमीनों के रूप में हैं, जो झूंसी के हवेलिया व कसारी मसारी में स्थित है। झूंसी में अतीक की 36 हजार वर्ग गज जमीन चिह्नित की गई है। यह संपत्ति उसके पिता हाजी फिरोज अहमद के नाम पर है। इसे 2006-07 में खरीदा गया।

पुलिस का दावा है कि यह संपत्ति अतीक अहमद ने अपराध से कमाए गए धन से अपने पिता के नाम पर खरीदी थी, जिसका मौजूदा कीमत लगभग 113 करोड़ रुपये है। इसी तरह कसारी मसारी में भी एक संपत्ति चिह्नित की गई है। यह भी बेशकीमती भूमि है, जो अतीक अहमद के नाम पर है। पुलिस ने जिला प्रशासन को रिपोर्ट भेजकर बताया है कि यह अपराध के जरिए अर्जित की गई। झूंसी में 1.826 और 1.1300 हेक्टेयर की दो जमीनें चिह्नित की गई हैं।

117

करोड़ की संपत्ति कुर्क करेगी पुलिस

आवश्यकता है

लखनऊ के तेजी से बढ़ते हुए बहुचर्चित अखबार सांध्य दैनिक 4PM के लिये अनुभवी उपसंपादक और वीडियो एडिटर की जरूरत है।

खबरों पर तेज निगाह रखने वाले अपनी सीवी मेल करें।

daily4pm@gmail.com
sharmasanjaya.05@gmail.com

लखनऊ में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ राजधानी के विकास नगर सेक्टर तीन बादल अपार्टमेंट में पहुंचे। वे यहां पर करीब 45 मिनट तक रुके। दरअसल, उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की बेटी कामना के पति कार्तिकेय की मामी रश्मि सिंह का 19 नवंबर को निधन हो गया था। वह 74 वर्ष की थीं। निधन की सूचना के बाद से ही उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने परिवार वालों को सूचना दी थी कि वह शांति पाठ में जरूर शामिल होंगे।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के आगमन की सूचना देर रात में प्रशासन को मिली। इसके बाद नगर निगम की पूरी टीम रात भर विकास नगर मोहल्ले में आसपास साफ-सफाई में जुट गई। आज सुबह दस बजे के करीब उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ लखनऊ एयरपोर्ट पर पहुंचे। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मेयर संयुक्ता भाटिया व अन्य ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उप राष्ट्रपति विकास नगर के लिए रवाना हो गए। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के आने के बाद पुलिस ने सभी गलियों को बैरिकेडिंग कर बंद कर दिया था।11:00 बजे उप राष्ट्रपति शांति पाठ में पहुंचे और 45 मिनट रहने के बाद यहां से निकल गए। इस दौरान वे मीडिया से भी मुखातिब नहीं हुए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।